**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Regarding infrastructure development and better amenities in rural areas schools are the country.

**श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (औरंगाबाद):** सभापति जी, हर माँ-बाप चाहता है कि उनके बच्चे अच्छे स्कूल में जाएं। मैं समझता हूं कि आज देश के सभी ग्रामीण एरियाज के स्कूलों की हालत यह है कि वहां सुविधाओं की बहुत कमी है। मैं अपने संसदीय क्षेत्र और महाराष्ट्र के कई शहरों की बात करता हूं, जहां गांवों में जाएं, तो तपती धूप में टिन की शेड के नीचे बच्चे आज भी तालीम हासिल कर रहे हैं। चूंकि हम तो यहां एसी में बैठते हैं, इसलिए हमें उनकी स्थिति का आभास नहीं होता है। यह बहुत अफसोसनाक बात है कि जब बारिश होती है और टिन शेड में से पानी टपकता है तो बच्चों को बाहर किसी झाड़ के नीचे बैठा कर पढ़ाया जाता है। यह राज्य सरकार का मुद्दा है लेकिन यदि राज्य सरकार इसकी अनदेखी कर रही है तो केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए कि देश में जितने स्कूल हैं, जहां बच्चे टिन शेड के नीचे पढ़ रहे हैं, जहां कि लीकेज है और बच्चों के बैठने की अच्छी सुविधाएं नहीं हैं, इसके लिए केंद्र सरकार को एक योजना के तहत ऐसे स्कूलों को एक साल में दुरुस्त करना चाहिए ताकि कोई भी बच्चा टिन शेड के नीचे पढ़ने को मजबूर न हो। ऐसी योजना बनाकर सभी स्कूलों को इनक्लूड करना चाहिए। मेरा कहना है कि ग्रामीण लोगों को भी अच्छे स्कूलों में पढ़ने का अधिकार है।